

बार-बार पश्चिम एशिया में अपने सैन्य ठिकानों पर ‘‘पिन-पाइन्ट’’ बमबारी से अमेरिका खीजा

अपने यूरोपीय ‘‘मित्रों’’ पर ट्रंप ने खीज निकाली और उन्हें चेतावनी दी या तो वे लोग इस युद्ध में सीधे (डॉयरेक्ट) जुड़े वरना.

–अंजन रॉय–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 31 मार्च। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बढ़ते ईरानी हमलों के सामने खुद को लगातार असहाय महसूस करते हुए, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यूरोपीय देशों से ईरान के खिलाफ अभियानों में सीधे शामिल होने का आग्रह किया।

ट्रंप ने यूनाइटेड किंगडम और अन्य देशों से कहा कि वे होर्मुज से अपना तेल खुद जाकर लें। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका उन्हें पहले की तरह मदद नहीं करेगा। इसके विकल्प के तौर पर, उन्होंने सुझाव दिया कि वे अपनी तेल जरूरतें अमेरिका से पूरी करें, उन्हें पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

इटली ने ईरान में लड़ाकू अभियानों के लिए जा रहे अमेरिकी विमानों को अपने सैगोनेला एयरबेस पर उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। यह अनुमति देने से उस समय इनकार किया गया, जब कुछ अमेरिकी विमान अपने

- ट्रंप ने कहा, यूरोपीय देश अपना ‘‘ऑयल’’ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते लाने की व्यवस्था खुद करें, अमेरिका इस मामले में उनकी मदद के लिए आयेगा, जबकि यूरोपीय देशों ने भी खाड़ी युद्ध में अमेरिका की मदद नहीं की है या वे लोग अमेरिका से ‘‘ऑयल’’ खरीद सकते हैं। अमेरिका के पास बहुत ‘‘ऑयल’’ है।

- ट्रंप की यूरोपीय देशों से खीज के कई कारण हैं। उदाहरण के लिए इटली ने खाड़ी युद्ध में बमबारी कर लौट रहे अमेरिकी लड़ाकू विमानों को इटली की भूमि पर ‘‘लैंड’’ करने की इजाज़त नहीं दी, हालांकि युद्ध से पहले से ही इटली व अमेरिका के बीच इस बारे में पुराना अनुबंध व समझौता है।

- ट्रंप इस बात से भी परेशान हैं कि कोई न कोई ईरान की मदद कर रहा है, अमेरिकी सेना के ठिकानों व अन्य सैन्य गतिविधियों की जानकारी ईरान तक पहुँच रही है, जिससे इतनी ‘‘पिन-पाइन्ट’’ बमबारी हो रही है।

- अमेरिका के युद्ध संबंधी मामलों के मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन की प्रैस बीफिंग में गुस्से भरे शब्दों में कहा, अमेरिका को पूरी जानकारी है, रूस व चीन की इस युद्ध में क्या भूमिका है।

घरेलू अड्डों से उड़ान भरकर ईरान क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इटली ने यह कहते हुए अनुमति देने से इनकार किया कि संसद से परामर्श के लिए पर्याप्त समय

नहीं था।

यह एक बड़ा घटनाक्रम है, क्योंकि पहले से मौजूद समझौते के तहत, अमेरिकी विमानों को परिचालन क्षेत्रों

की ओर जाते समय इटली में उतरने की अनुमति थी। लेकिन इस बार इनकार के लिए कुछ विशेष कारण बताए गए। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 31 मार्च। भारत के पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांता मजूमदार, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू,

- केन्द्रीय मंत्री, भाजपा नेता सुकांता मजूमदार ने बताया कि पेस 19 वीं सदी के बांग्ला कवि व लेखक माइकल मथ्यूसुदन दत्त के वंशज हैं।

सांसद अनिल बलूनी की मौजूदगी में लिएंडर पेस ने भाजपा की सदस्यता ली। पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले भाजपा ने लिएंडर पेस को पार्टी में शामिल कराकर तुणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया है।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लिएंडर पेस का स्वागत करते (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी स्वस्थ, गंगाराम अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली, 31 मार्च। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें 24 मार्च को बुखार होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टरों के अनुसार वे एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स दी गईं।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार

- गत 24 मार्च की रात को बुखार के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सोनिया गांधी को 24 मार्च की रात 10:22 बजे बुखार के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उन्हें एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से इलाज दिया गया और उन्होंने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी। अब वे ठीक हो चुकी हैं और आज सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, ताकि घर पर उनका आगे का इलाज और फॉलो-अप हो सके।

बीजू का अपमान ‘‘उडिया गौरव’’ का मुद्दा बन रहा है ओडिशा में

बीजू पटनायक पर भाजपा नेता निशिकांत दुबे की अपमानजनक टिप्पणी ने भाजपा को अटपटी स्थिति में डाला

–श्रीनंद झा–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 31 मार्च। तटीय राज्य ओडिशा में उडिया गौरव को बहाल करने के मुद्दे पर सत्ता में आई पार्टी के लिए, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दिवंगत बीजू पटनायक के खिलाफ अपनी अपमानजनक टिप्पणियों के जरिए, पार्टी की राज्य इकाई को असहज स्थिति में डाल दिया है। बीजू पटनायक एक राजनीतिक महानायक और उडिया गौरव के प्रतीक माने जाते हैं।

दुबे ने हाल ही में आरोप लगाया कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान, बीजू पटनायक ने अमेरिकी सरकार, सीआईए और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच एक कड़ी के रूप में काम किया था। यह बयान राज्यभर में व्यापक आक्रोश का कारण बना हुआ है, और उनकी पार्टी के भीतर और बाहर, दोनों जगह दुबे की

‘अमेरिका व्यर्थ ही ऐसे युद्ध में लिप्त हुआ है, जो वो कभी जीत ही नहीं सकता’

अमेरिका के टॉप इकोनॉमिस्ट जैफरी सैक्स के खाड़ी युद्ध के विचार बड़े चौंकाने वाले, पर सटीक हैं

–सुकुमार साह–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 31 मार्च। शीर्ष अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स का पश्चिम एशिया संघर्ष पर हस्तक्षेप अपनी भाषा के कारण नहीं, बल्कि अपने आरोपों की व्यापकता के कारण अधिक उल्लेखनीय है। यह भू-राजनीति, अमेरिकी शक्ति और स्वयं राज्य सत्ता के बदलते स्वरूप तक को कटघरे में खड़ा करता है।

वर्तमान संकट को ‘‘दुनिया भर के ‘‘लूजर्स’’ (पराजितों) का युद्ध’’ बताते हुए, सैक्स मूलतः यह तर्क दे रहे हैं कि इस उभरते टकराव में कोई णनीतिक विजेता नहीं है, सिर्फ दीर्घकालिक नुकसान के अलग-अलग स्तर हैं। उनका यह दृष्टिकोण क्षेत्रीय संघर्षों को शून्य-योग (जीरो-सम) प्रतिस्पर्धा के रूप में देखने की पारंपरिक सोच को चुनौती देता है। इसके बजाय, वे इसके कई परिणाम देखते हैं, जैसे आर्थिक अव्यवस्था, ऊर्जा असुरक्षा, राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का लगातार क्षरण आदि। उनके अनुसार, जो देश सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं हैं,

- जैफरी सैक्स यह भी कहते हैं कि सबसे बड़ी विवाद की बात है, जिस तरह से ‘‘टैक बिलिनियर’’ (टैक्नोलॉजी उद्योगों के अरबपति) मालिक, सरकार के प्रशासन पर भावी हो रहे हैं।

- जैफरी सैक्स ने हाल ही में प्र.मंत्री मोदी व राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हो रही टेलीफोनिक बातचीत में एलन मस्क के भागीदार होने की भी आलोचना की।

- उन्होंने कहा, इस अपवित्र दोस्ती में, ‘‘जवाबदेही’’ (एकाउन्टेबिलिटी) और प्रजातंत्रीय वैधानिकता की बलि चढ़ती है।

जैसे भारत, वे भी तेल की ऊँची कीमतों, बाधित व्यापार मार्गों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण नुकसान उठाएँगे।

सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों के लिए उनकी चेतावनी इसी व्यापक आकलन पर आधारित है। इन देशों ने पिछले दशक में खुद को स्थिरता, निवेश और तेल के बाद के आर्थिक परिवर्तन के केन्द्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है, और ऐसे में एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध में प्रवेश करना

उनके लिए अत्यंत आत्म-विनाशकारी होगा। सैक्स द्वारा इस्तेमाल किया गया ‘‘तेज विनाश’’ शब्द तत्काल सैन्य हार की भविष्यवाणी से अधिक एक प्रणालीगत विघटन की चेतावनी है, जहाँ वित्तीय बाजार खत्म हो सकते हैं, बुनियादी ढाँचा निशाना बन सकता है और वर्षों में बनाए गए वैश्विक साझेदारी संबंध रातों-रात कमजोर पड़ सकते हैं। लेकिन सैक्स यहीं नहीं रुकते, उन्होंने सबसे तीखी आलोचना का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाँच साल के अंतराल के बाद पहला बिज़नैस डैलिगेशन चीन दौरे पर

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का एक प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से 4 अप्रैल तक चीन के दौरे पर है

–डॉ. सतीश मिश्रा–

–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 31 मार्च। देश के उत्तरी हिमालयी पड़ोसी चीन के साथ संबंधों को सहज बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाते हुए, भारतीय वाणिज्य मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल इन दिनों चीन की यात्रा पर है, जहाँ वह चीन के अपने समकक्ष प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत कर रहा है। पिछले पाँच वर्षों के विराम के बाद यह इस तरह की पहली यात्रा है।

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से 4 अप्रैल तक शंघाई और चीन के जियांसू प्रांत

- भारत और चीन के संबंध पूर्वी लद्दाख में हुए सैन्य टकराव के बाद काफी बिगड़ गए थे। वर्ष 2024 में ब्रिक्स समिट व 2025 में एससीओ समिट के दौरान प्र.मंत्री मोदी व चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग की वार्ता के बाद हालात सामान्य होने शुरू हुए थे।

- शंघाई के भारतीय महावाणिज्य दूतावास के काउन्सलेट जनरल प्रतीक माथुर ने प्रतिनिधिमंडल की चीन की प्रमुख कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के साथ मीटिंग करवाई।

के दौरे पर है, जो देश के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल हैं।

2020 में पूर्वी लद्दाख में हुए सैन्य गतिरोध के बाद पाँच वर्षों से अधिक समय तक चले ठहराव के उपरांत,

पिछले वर्ष दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध सामान्य होने के बाद, यह चीन जाने वाला पहला भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

–यादवेन्द्र शर्मा–

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान

हाईकोर्ट में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सहायक अधिवक्ता के पद पर नियुक्त कई वकीलों को बिना किसी कारण मनमाने तरीके से हटाये जाने के खिलाफ दायर 19 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। अदालत ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला देते हुए उन्हें पूर्ववत पदों पर वापस लगाने तथा जेडीए को अधिवक्ताओं की नियुक्ति व हटाने के लिए गाइडलाइन बनाने के आदेश दिए हैं। इस गाइडलाइन में यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सहायक अधिवक्ता और पैनल एडवोकेट की नियुक्ति में महिला, एससी-एसटी वर्ग की भागीदारी भी हो।

हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट

अपने कई आदेशों में दोहरा चुका है कि अधिवक्ता न्यायिक प्रणाली में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं, उनके कारण ही न्याय प्रणाली पर भरोसा बना रहता है। हाईकोर्ट ने इसी टिप्पणी को दोहराते हुए कहा कि एक वकील को नौकर की भांति नहीं समझा जा सकता, उन्हें पद से हटाने अथवा लगाने के लिए कोई ठोस वजह व कारण होना चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने अपने आदेश में जेडीए को निर्देश दिए हैं कि अधिवक्ताओं की नियुक्ति व हटाने के लिए विस्तृत पॉलिसी व गाइडलाइन बनाएं।

इन 19 याचिकाओं में से अधिकतर वर्ष 2025 में दायर की गई हैं, जिनमें से याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2009 से 2014 के बीच नियुक्त किया

ईरान 1 अप्रैल से अमेरिकी कंपनियों पर निशाना लगायेगा

तेहरान,31 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर खुली चेतावनी दी है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवालयूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि अगर ईरानी नेताओं पर हमले जारी रहे, तो वह पश्चिम

- गुगल, माइक्रोसॉफ्ट, एपल, इंटेल, आईबीएम, टेस्ला, बोइंग, डेल, एचपी, ओरेकल का नाम भी सूची में।

एशिया में अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाएगा। इस बयान से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और वैश्विक स्तर पर चिंता गहरा गई है।

ईरान ने साफ कहा है कि 1 अप्रैल से तेहरान समय के अनुसार रात 8 बजे के बाद अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों पर हमले शुरू किए जा सकते हैं। भारत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)